भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 13 जून, 2023 को " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन किया गया।

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में “हिंदी कार्यशाला” का आयोजन 13 जून, 2023 को किया गया । “हिंदी कार्यशाला” का उद्घाटन ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस एन. सुशील ने किया। निदेशक महोदय और सभी गणमान्य व्यक्तियों के करकमलों से दीप प्रज्वलित करके हिंदी कार्यशाला की शुरुआत हुई।

ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस एन. सुशील ने कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में ब्यूरो के कर्मचारियों और अधिकारियों से आग्रह किया कि फ़ाइलों पर छोटी-छोटी टिप्पणियाँ हिंदी में लिखें। निदेशक महोदय ने आह्वान किया कि सभी अपने-अपने स्तर पर राजभाषा के कार्यों को अधिक से अधिक करें जिससे कि ब्यूरो की ही नहीं वरन परिषद के राजभाषा कार्यकलापों की उतरोत्तर वृद्धि होगी।

तदोपरांत, ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस एन. सुशील ने कार्यालय में राजभाषा के सरलतम उपयोग विषय पर अति महत्वपूर्ण जानकारी कार्यशाला में भाग ले रहे ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों को दी। अपने व्याख्यान में निदेशक महोदय ने कार्यालय में हिंदी के उपयोग और सरलीकरण के लिए अन्य भाषाओं के शब्द जो कि हिंदी तथा भारतीय भाषाओं में प्रचलित हो गए हैं उन शब्दों को उसी रूप में अपनाने पर बल दिया। तकनीकी एवं वैज्ञानिक शब्द जिसका पर्याय नहीं आता तो उसको देवनागरी में जैसे का तैसा लिख सकते हैं। राजभाषा के विकास और प्रसार कार्यालय में बढ़ाने के लिए हिंदी आई. टी. टूल्स का प्रयोग किया जाना चाहिए। राजभाषा हिंदी भारत में अधिकतम लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है तो इसके माध्यम से हम अपनी तकनीकों और प्रौद्योगिकियों को किसानों तक आसानी से पहुँचा सकते हैं।

हिंदी कार्यशाला में ब्यूरो के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और सक्रिय रूप से कार्यशाला में भाग लेकर सफल बनाया।

इस हिंदी कार्यशाला का संचालन श्री सतेंद्र कुमार , मुख्य तकनीकी अधिकारी ने और डॉ. दीपा भगत, प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ "हिंदी कार्यशाला" का समापन हुआ ।

" हिंदी कार्यशाला " के दौरान लिए कुछ फोटो

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन